


भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 494] नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 27, 1980/कार्तिक 5, 1902
No. 494] NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 27, 1980/KARTIKA 5, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय
प्राधिकार्य कार्य विभाग
शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर, 1980

का०प्रा० 803(अ) :--भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के प्राधिकार्य कार्य विभाग की अधिसूचना संख्या का०प्रा० 827(अ) तारीख 30 सितम्बर, 1980 का शुद्धिपत्र :--

पृष्ठ 1527 में, प्रथम स्तम्भ में, पंक्ति 18 में, "होना" के स्थान पर "होते" पढ़ें;
पृष्ठ 1527, द्वितीय स्तम्भ में, खण्ड (ii) के उपखण्ड (1) और (2) के स्थान पर निम्नलिखित; पढ़ें :--

"(1) किसी ऐसे कर्मचारी के संबंध में जिसके लिए नियम या कानून द्वारा निवास-स्थान की व्यवस्था नहीं की गई है, मूल खेतन, महुंगारी भत्ते और गृह भाडक भत्ते की राशि में से भविष्य निधि हेतु कर्मचारी का प्रतिवार्य अंशदान काटकर प्राप्त की गई रकम ;

- (2) किसी ऐसे कर्मचारी के संबंध में, जिसके लिए नियम या कंपनी द्वारा निवास-स्थान की व्यवस्था की गई है, मूल बेलन और मंहुगाई भत्ते की राशि में से अविवक्षित निधि हेतु कर्मचारी का प्रतिवार्षिक अंशदान काटकर प्राप्त की गई, रकम ;”।

- पृष्ठ 1528, प्रथम स्तंभ में, पंक्ति 2 में “सेवा में से” के स्थान पर “सेवा में के” पढ़ें।
 पृष्ठ 1528, प्रथम स्तंभ में, पंक्ति 24 में “उपवर्जित” के स्थान पर “अपवर्जित” पढ़ें।
 पृष्ठ 1528, प्रथम स्तंभ में, पंक्ति 24 में “किया ” शब्द का होप किया जाएगा।
 पृष्ठ 1528, प्रथम स्तंभ में, पंक्ति 27 में “परन्तु यह” से तथा पैरा शुरू, करें।
 पृष्ठ 1528, द्वितीय स्तंभ में, पंक्ति 13 में “समायोजन भत्तों” के स्थान पर “समायोजन भत्ता” पढ़ें।
 पृष्ठ 1528, द्वितीय स्तंभ में, पंक्ति 17 में “समायोजन भत्ते” के स्थान पर “समायोजन भत्ता” पढ़ें।
 पृष्ठ 1529, द्वितीय स्तंभ में, पंक्ति 27 में “सुव्यवस्थितकरण और पुनर्रक्षण” के स्थान पर “सुव्यवस्थीकरण और पुनर्रक्षण” पढ़ें।
 पृष्ठ 1529, प्रथम स्तंभ में, पंक्ति 29 में “की पूरी आय पूरी” के स्थान पर “की आय पूरी” पढ़ें।
 पृष्ठ 1529, प्रथम स्तंभ में पंक्ति 46 में “अप पैरा” के स्थान पर “उप पैरा” पढ़ें।
 पृष्ठ 1529, प्रथम स्तंभ में, पंक्ति 46 में “अपदान ” के स्थान पर “उपदान” पढ़ें।
 पृष्ठ 1529, द्वितीय स्तंभ में, पंक्ति 33 में “सिक्क सक्की” के स्थान पर “सिक्का सक्की” पढ़ें।
 पृष्ठ 1531, प्रथम स्तंभ में, पंक्ति 29 में “होने वाले” के स्थान पर “होने वाली ” पढ़ें।
 पृष्ठ 1531, प्रथम स्तंभ में, पंक्ति 37 में “ओसत” के स्थान पर पर “ओसत को” पढ़ें।

[फा०सं० 105(20)/बीमा-IV/80]

(कु०) कुसुम लता मिश्र, अपर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

CORRIGENDA

New Delhi, the 27th October, 1980

S.O. 863(E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. S.O. 827(E) dated the 30th September, 1980 published at pages 1532 to 1536 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 30th September, 1980.

1. at page 1532, in the second column,—
 - (a) in line 19, for ‘Rivision’ read ‘Revision’;
 - (b) in line 36 for, ‘(c)’ read ‘(e)’;
 - (c) in line 51 for ‘salary, dearness allowance and house rent allowance ;’ read ‘salary and dearness allowance;’;
2. at page 1533, in the first column, in line 37, for ‘whose’ read ‘whom’;
3. at page 1534, in the first column,—
 - (a) in line 5, for ‘(f)’ read ‘(f)’;
 - (b) in line 31, for ‘Services’ read ‘Service’;
 - (c) in line 38, for ‘Services’ read ‘Service’;
 - (d) in line 60, for ‘or’ read ‘of’.

[F. No. 105(20)Ins IV/80]

(Km.) KUSUM LATA MITAL, Addl. Secy.